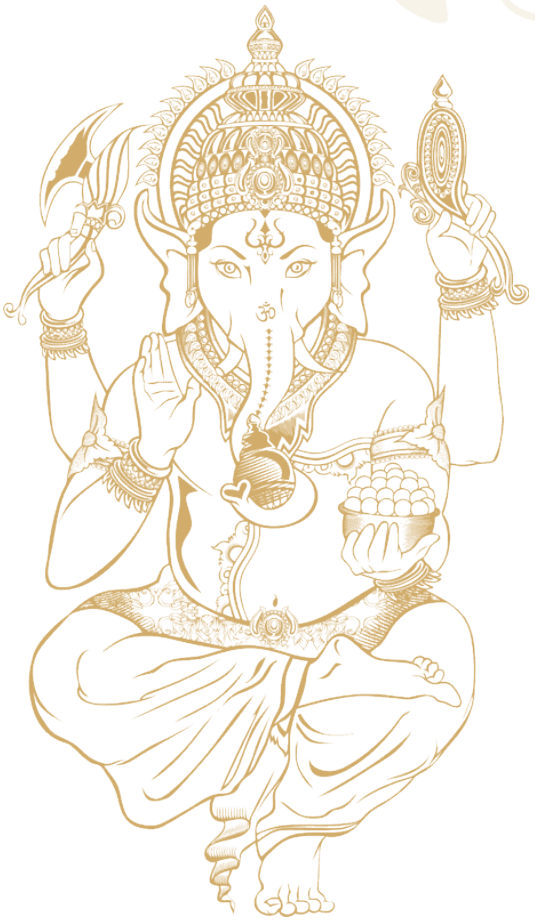

Mr.

24 Oct 2025

08:58 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120258413

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/10/2025**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:58:00 घंटे**
इष्ट	36:15:18 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:36:52 घंटे
वेलान्तर	00:15:51 घंटे
साम्पातिक काल	22:50:01 घंटे
सूर्योदय	06:27:52 घंटे
सूर्यास्त	17:42:33 घंटे
दिनमान	11:14:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	07:15:37 तुला
लग्न के अंश	02:16:14 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सौभाग्य
करण	गर
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	02:16:14	336:37:31	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	---
सूर्य			तुला	07:15:37	00:59:48	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	नीच राशि
चंद्र			वृश्चि	11:17:15	11:50:49	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	नीच राशि
मंगल			तुला	28:02:03	00:42:20	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			वृश्चि	00:25:14	01:11:42	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	सम राशि
गुरु			कर्क	00:24:17	00:03:28	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	19:09:47	01:14:49	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि	व		मीन	01:56:59	00:03:20	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	23:10:36	00:08:33	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	23:10:36	00:08:33	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	06:19:42	00:02:06	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:43:49	00:01:21	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	07:10:29	00:00:18	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			कुंभ	16:49:12	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:06

लग्न-चलित

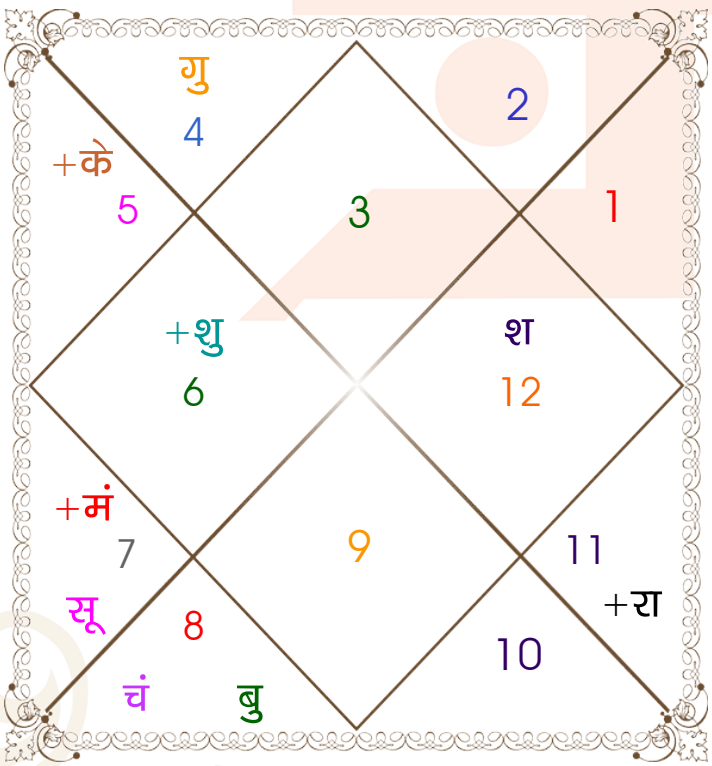

चन्द्र कुंडली

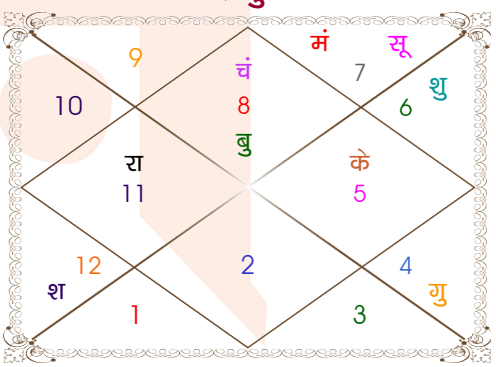

नवमांश कुंडली

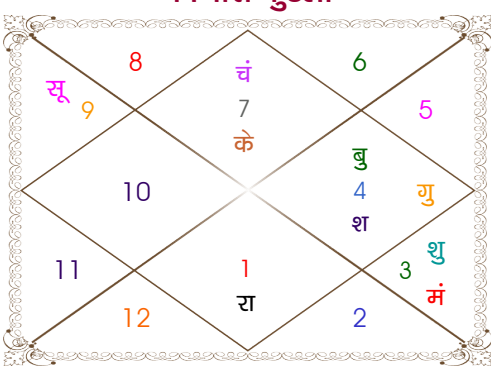

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 7 वर्ष 7 मास 29 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
24/10/2025		24/06/2033		24/06/2050		24/06/2057		24/06/2077	
24/06/2033		24/06/2050		24/06/2057		24/06/2077		25/06/2083	
	00/00/0000	बुध	21/11/2035	केतु	20/11/2050	शुक्र	24/10/2060	सूर्य	12/10/2077
	00/00/0000	केतु	17/11/2036	शुक्र	21/01/2052	सूर्य	24/10/2061	चंद्र	12/04/2078
	00/00/0000	शुक्र	18/09/2039	सूर्य	27/05/2052	चंद्र	25/06/2063	मंगल	18/08/2078
	00/00/0000	सूर्य	24/07/2040	चंद्र	27/12/2052	मंगल	24/08/2064	राहु	13/07/2079
	24/10/2025	चंद्र	24/12/2041	मंगल	25/05/2053	राहु	24/08/2067	गुरु	30/04/2080
चंद्र	27/12/2026	मंगल	21/12/2042	राहु	12/06/2054	गुरु	24/04/2070	शनि	12/04/2081
मंगल	05/02/2028	राहु	09/07/2045	गुरु	19/05/2055	शनि	24/06/2073	बुध	17/02/2082
राहु	12/12/2030	गुरु	15/10/2047	शनि	27/06/2056	बुध	24/04/2076	केतु	24/06/2082
गुरु	24/06/2033	शनि	24/06/2050	बुध	24/06/2057	केतु	24/06/2077	शुक्र	25/06/2083

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
25/06/2083		24/06/2093		25/06/2100		25/06/2118		25/06/2134	
24/06/2093		25/06/2100		25/06/2118		25/06/2134		00/00/0000	
चंद्र	24/04/2084	मंगल	20/11/2093	राहु	08/03/2103	गुरु	13/08/2120	शनि	28/06/2137
मंगल	23/11/2084	राहु	09/12/2094	गुरु	01/08/2105	शनि	24/02/2123	बुध	07/03/2140
राहु	25/05/2086	गुरु	15/11/2095	शनि	07/06/2108	बुध	01/06/2125	केतु	16/04/2141
गुरु	24/09/2087	शनि	23/12/2096	बुध	25/12/2110	केतु	08/05/2126	शुक्र	16/06/2144
शनि	24/04/2089	बुध	21/12/2097	केतु	12/01/2112	शुक्र	06/01/2129	सूर्य	29/05/2145
बुध	24/09/2090	केतु	19/05/2098	शुक्र	12/01/2115	सूर्य	25/10/2129	चंद्र	25/10/2145
केतु	25/04/2091	शुक्र	19/07/2099	सूर्य	07/12/2115	चंद्र	24/02/2131		00/00/0000
शुक्र	23/12/2092	सूर्य	24/11/2099	चंद्र	07/06/2117	मंगल	31/01/2132		00/00/0000
सूर्य	24/06/2093	चंद्र	25/06/2100	मंगल	25/06/2118	राहु	25/06/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 7 वर्ष 7 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगे। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई किए तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकते हैं।

आप लंबे आकृति के कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाले उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप नारी के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभव हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, पुरुष संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए। इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।